मसाई
और मैं
वर्जीनिया क्रॉल
चित्र: नैन्सी कारपेंटर

मसाई और मैं

वर्जीनिया क्रॉल

चित्र: नैन्सी कारपेंटर

उस दिन स्कूल में, हमने पूर्वी अफ्रीका और मसाई नाम के ऊंचे, गर्वीले लोगों के बारे में सीखा. उसके बाद से मेरी रगों में उनके साथ रिश्ते की एक लहर बहने लगी.

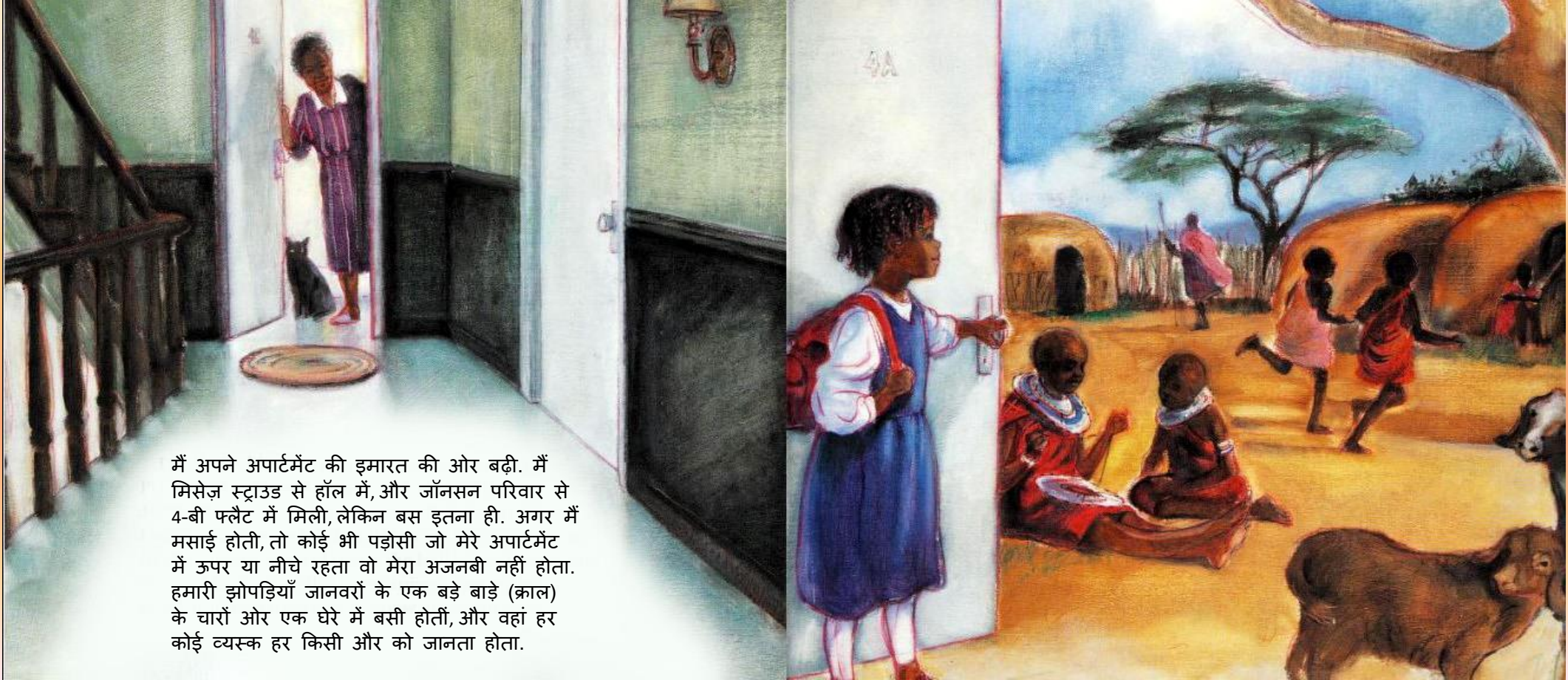

मैं अपने अपार्टमेंट की इमारत की ओर बढ़ी. मैं मिसेज़ स्ट्राउड से हॉल में, और जॉनसन परिवार से 4-बी फ्लैट में मिली, लेकिन बस इतना ही. अगर मैं मसाई होती, तो कोई भी पड़ोसी जो मेरे अपार्टमेंट में ऊपर या नीचे रहता वो मेरा अजनबी नहीं होता. हमारी झोपड़ियाँ जानवरों के एक बड़े बाड़े (क्राल) के चारों ओर एक घेरे में बसी होतीं, और वहां हर कोई व्यस्क हर किसी और को जानता होता.

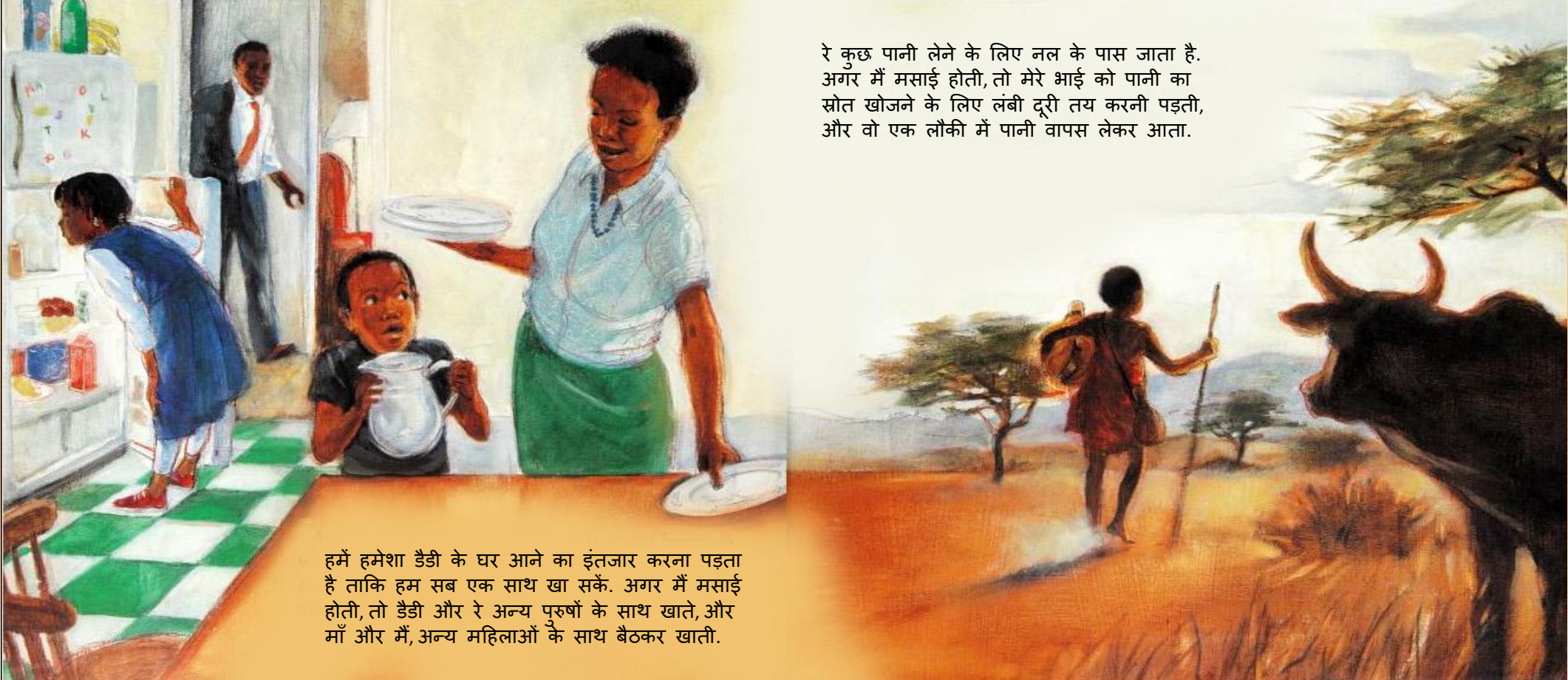

हमें हमेशा डैडी के घर आने का इंतजार करना पड़ता है ताकि हम सब एक साथ खा सकें. अगर मैं मसाई होती, तो डैडी और रे अन्य पुरुषों के साथ खाते, और माँ और मैं, अन्य महिलाओं के साथ बैठकर खाती.

रे कुछ पानी लेने के लिए नल के पास जाता है. अगर मैं मसाई होती, तो मेरे भाई को पानी का स्रोत खोजने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती, और वो एक लौकी में पानी वापस लेकर आता.

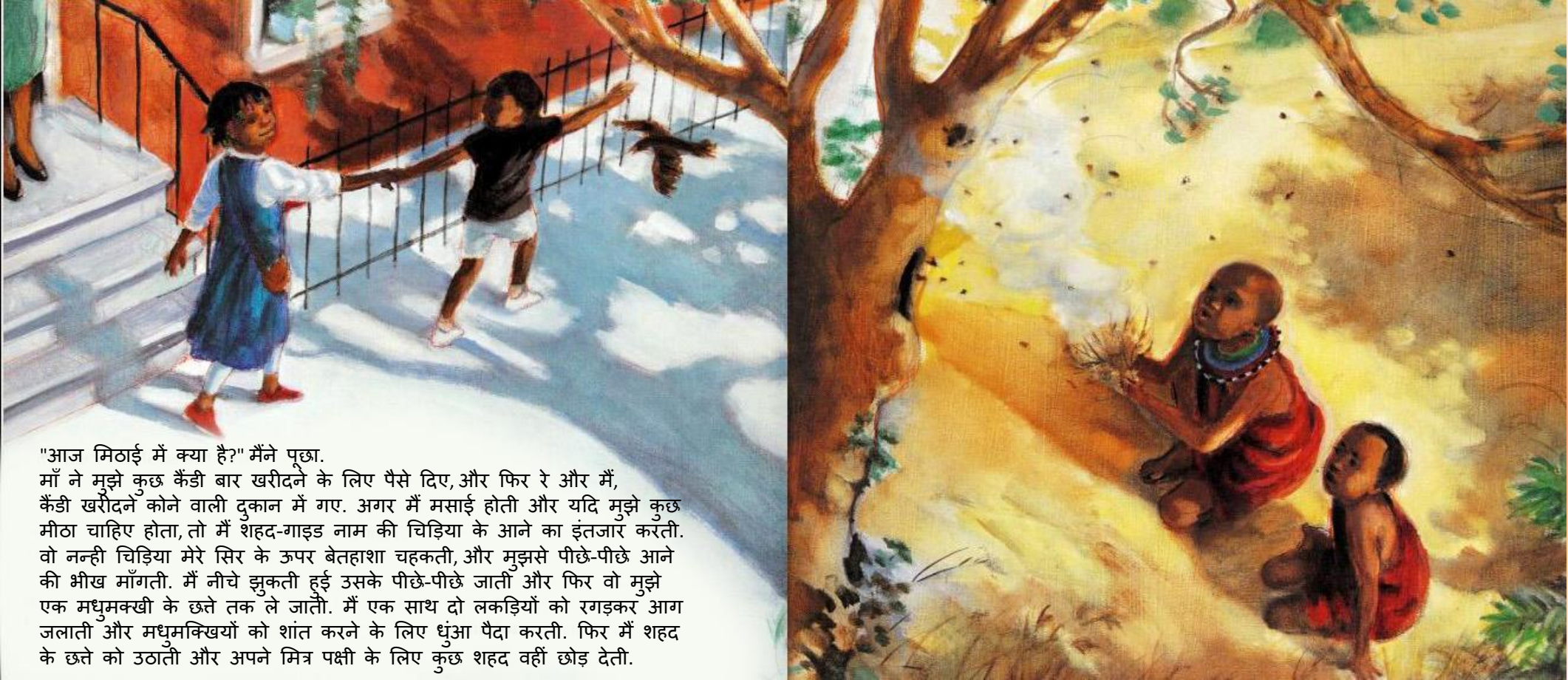

"आज मिठाई में क्या है?" मैंने पूछा.
माँ ने मुझे कुछ कैंडी बार खरीदने के लिए पैसे दिए, और फिर रे और मैं, कैंडी खरीदने कोने वाली दुकान में गए. अगर मैं मसाई होती और यदि मुझे कुछ मीठा चाहिए होता, तो मैं शहद-गाइड नाम की चिड़िया के आने का इंतजार करती. वो नन्ही चिड़िया मेरे सिर के ऊपर बेतहाशा चहकती, और मुझसे पीछे-पीछे आने की भीख माँगती. मैं नीचे झुकती हुई उसके पीछे-पीछे जाती और फिर वो मुझे एक मधुमक्खी के छत्ते तक ले जाती. मैं एक साथ दो लकड़ियों को रगड़कर आग जलाती और मधुमक्खियों को शांत करने के लिए धुंआ पैदा करती. फिर मैं शहद के छत्ते को उठाती और अपने मित्र पक्षी के लिए कुछ शहद वहीं छोड़ देती.

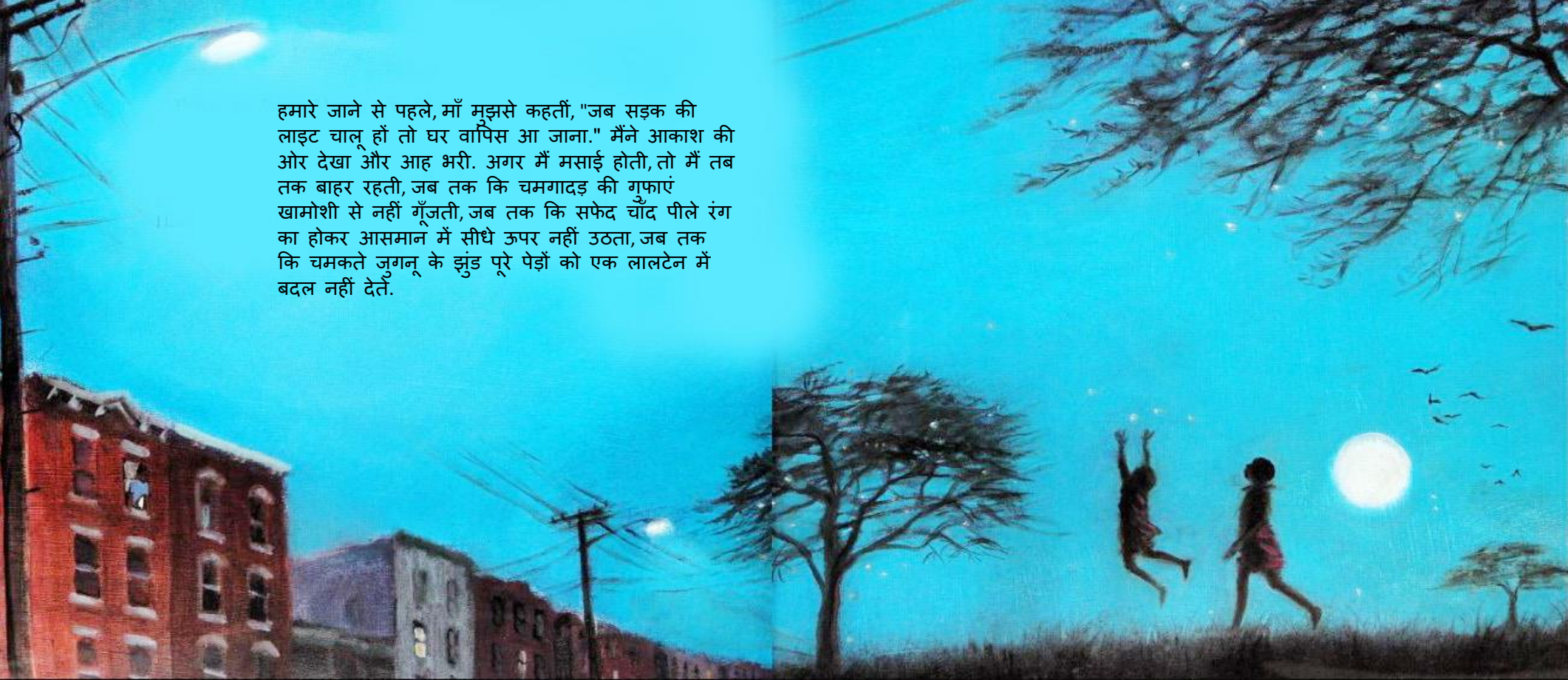

हमारे जाने से पहले, माँ मुझसे कहतीं, "जब सड़क की लाइट चालू हों तो घर वापिस आ जाना." मैंने आकाश की ओर देखा और आह भरी. अगर मैं मसाई होती, तो मैं तब तक बाहर रहती, जब तक कि चमगादड़ की गुफाएं खामोशी से नहीं गूँजती, जब तक कि सफेद चाँद पीले रंग का होकर आसमान में सीधे ऊपर नहीं उठता, जब तक कि चमकते जुगनू के झुंड पूरे पेड़ों को एक लालटेन में बदल नहीं देते.

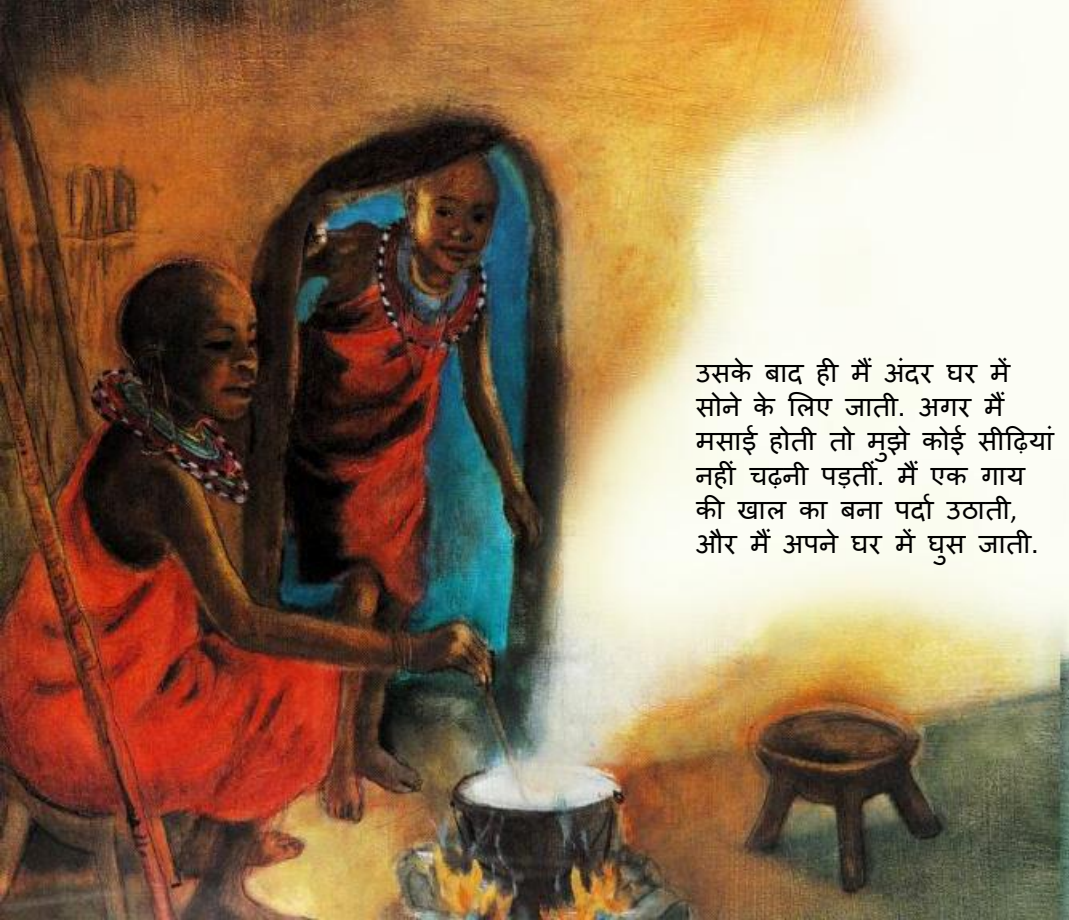

उसके बाद ही मैं अंदर घर में सोने के लिए जाती. अगर मैं मसाई होती तो मुझे कोई सीढ़ियां नहीं चढ़नी पड़तीं. मैं एक गाय की खाल का बना पर्दा उठाती, और मैं अपने घर में घुस जाती.

अगर मैं मसाई होती तो अपने कमरे की खिड़की से शहर में लोगों का आना-जाना नहीं देख पाती. मेरी झोंपड़ी में खिड़कियाँ ही नहीं होतीं, सिर्फ धुँआ निकलने के लिए केवल छोटे-छोटे छेद होते. हमारे पास सोफे, कुर्सियाँ, लैंप या टेबल नहीं होते केवल बैठने को कुछ स्टूल होते.

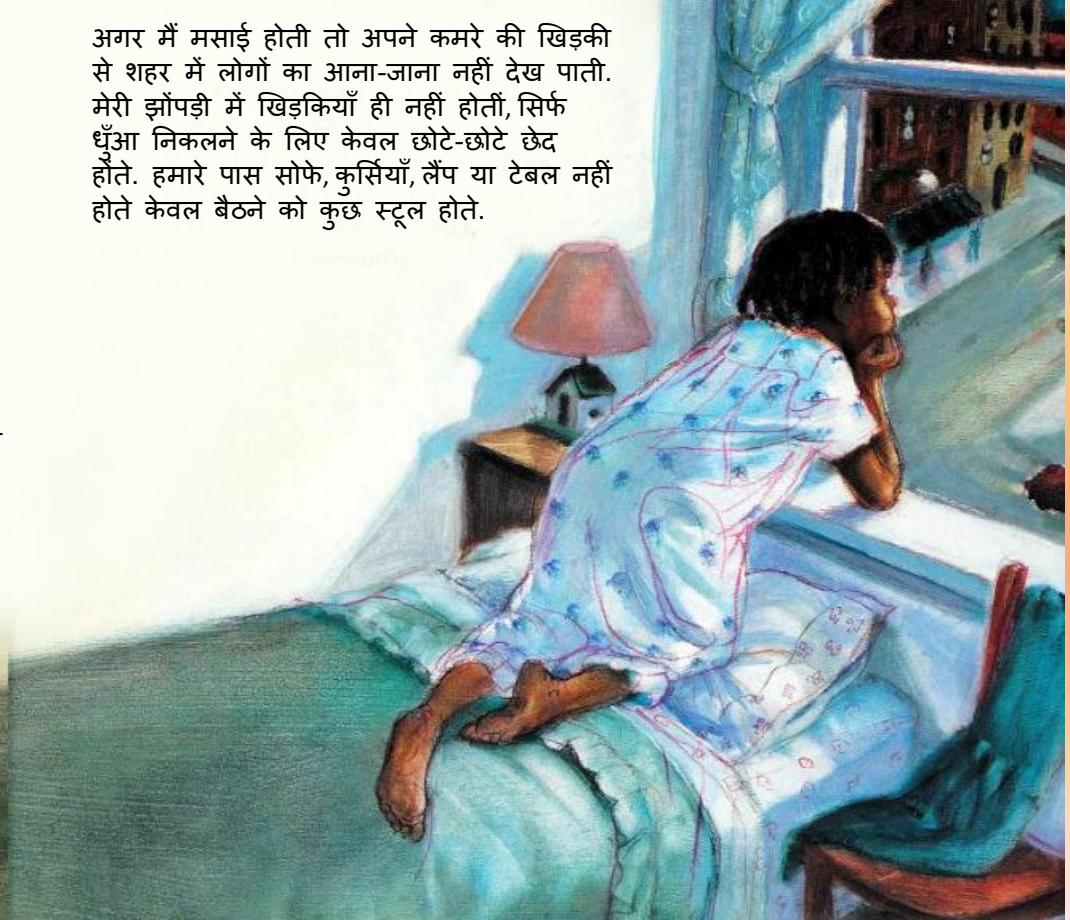

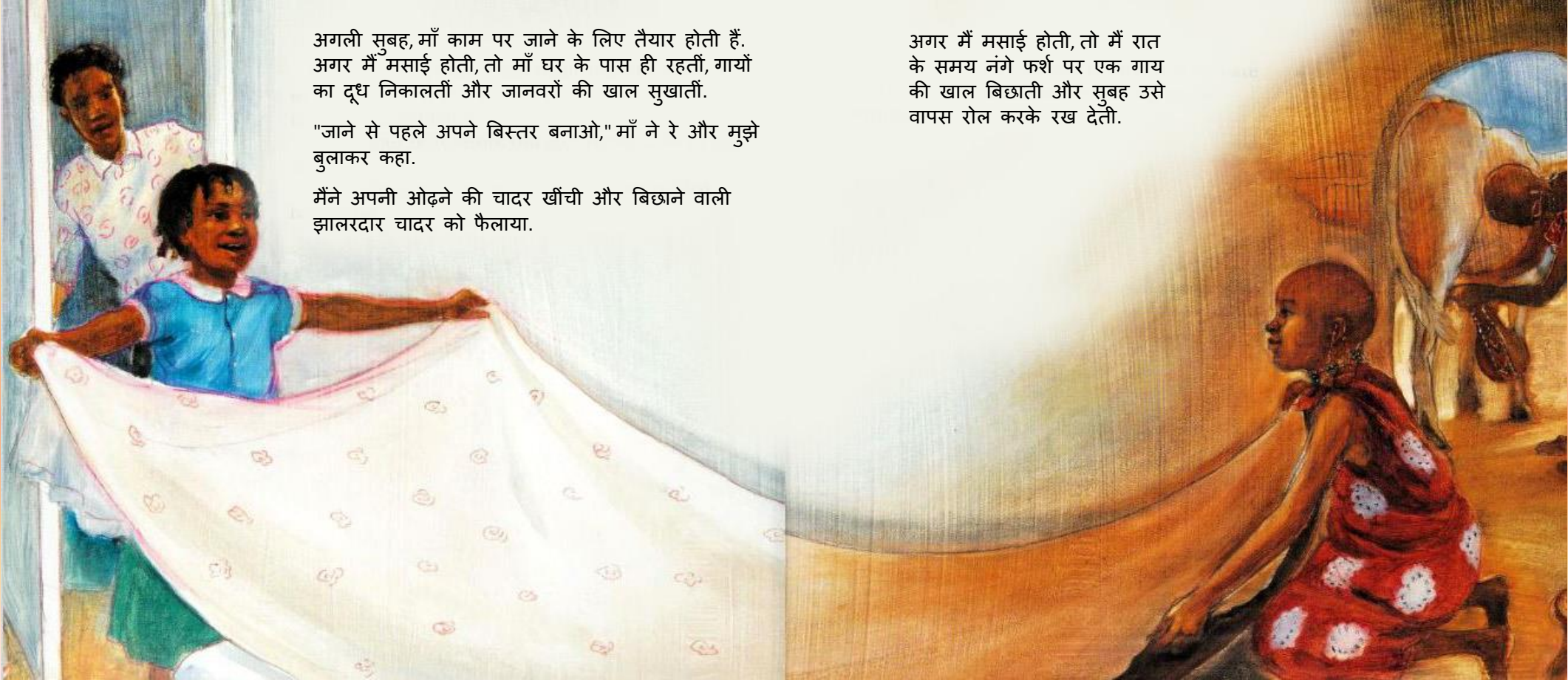

अगली सुबह, माँ काम पर जाने के लिए तैयार होती हैं. अगर मैं मसाई होती, तो माँ घर के पास ही रहतीं, गायों का दूध निकालतीं और जानवरों की खाल सुखातीं.

"जाने से पहले अपने बिस्तर बनाओ," माँ ने रे और मुझे बुलाकर कहा.

मैंने अपनी ओढ़ने की चादर खींची और बिछाने वाली झालरदार चादर को फैलाया.

अगर मैं मसाई होती, तो मैं रात के समय नंगे फर्श पर एक गाय की खाल बिछाती और सुबह उसे वापस रोल करके रख देती.

अगर मैं मसाई होती तो मेरा हम्सटर, ह्युई, पिंजरे में बंद नहीं होता. मेरे पास गायें होतीं, उनका एक पूरा झुंड होता, और मैं हरेक गाय को उसके नाम से जानती!

मुझे जिराफ, शुतुरमुर्ग, या जेब्रा देखने के लिए चिड़ियाघर नहीं जाना पड़ता. मैं उन जानवरों के साथ अफ्रीका की हवा, अफ्रीका की मिट्टी और अफ्रीका की बारिश साझा करती.

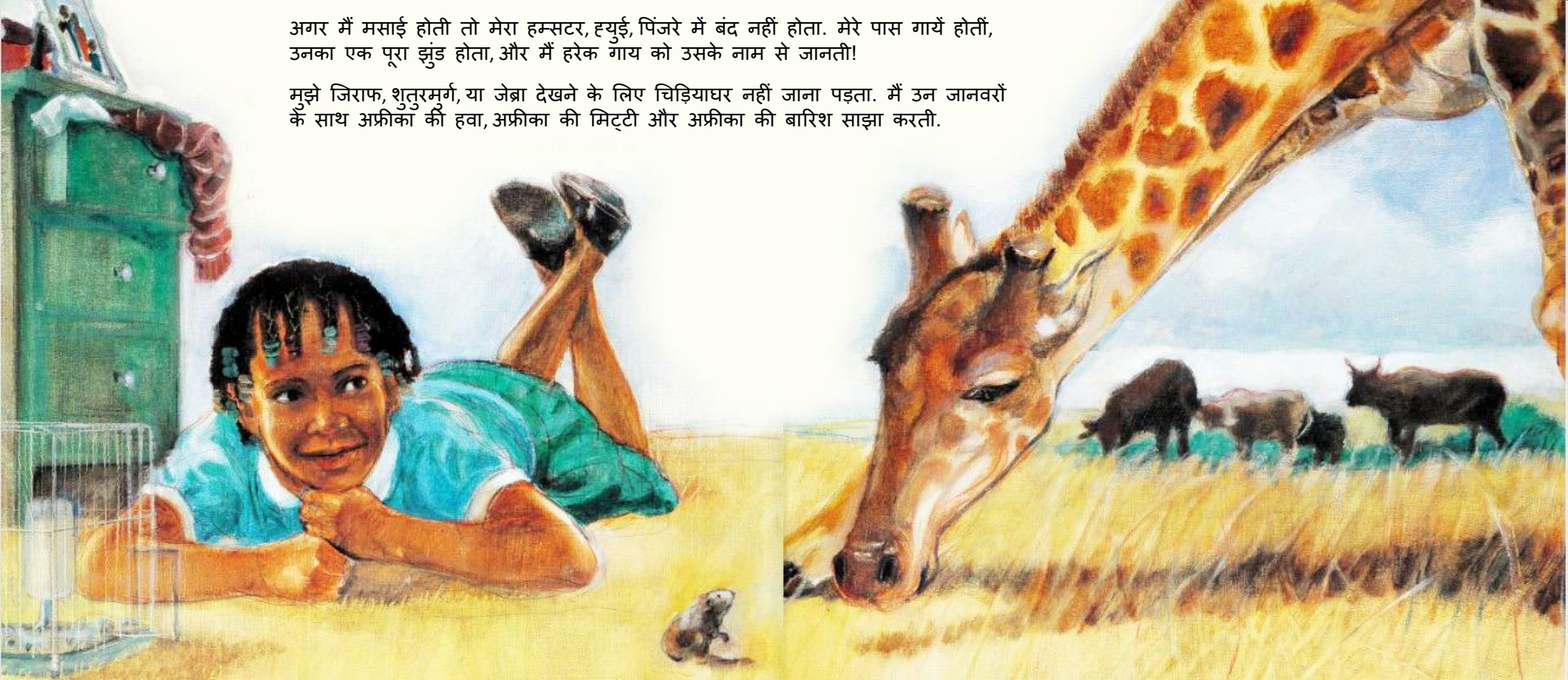

मैं स्कूल के लिए निकली पर अपने नए सफेद जूते लेने के लिए वापस आई. मैं लगभग भूल ही गई थी कि आज मुझे जिम में जाना है. अगर मैं मसाई होती, तो मैं दिन भर दौड़ती और नंगे पैरों में हरे-भरे चरागाहों, या पीली, सूखी घास में छलांग लगाती. और मैं केवल एक बार अपने जीवन में महान भैंस की खाल से बने सैंडल पहनती.

उस शाम, मुझमे और मेरे भाई इस बात को लेकर झगड़ा हुआ कि सबसे पहले बाथरूम में कौन जाएगा. हम "बेरीज रेस्तरां" में दादी की पार्टी में जा रहे थे. आज उनका सत्तरवां जन्मदिन था.

मैं सुगंधित साबुन से नहाई और मैनें अपनी त्वचा को एक मोटे तौलिये से सुखाया. अगर मैं मसाई उत्सव की तैयारी कर रही होती, तो मैं अपनी त्वचा को लाल मिट्टी और गाय की चर्बी से रगड़ती ताकि मेरी त्वचा चमक उठे. अगर मैं मसाई होती, तो मैं चाहती कि मेरी गंध अच्छी हो. उसके लिए मैं अपनी चमकदार त्वचा पर रगड़ने के लिए मीठी-महक वाली पत्तियों को कुचलती.

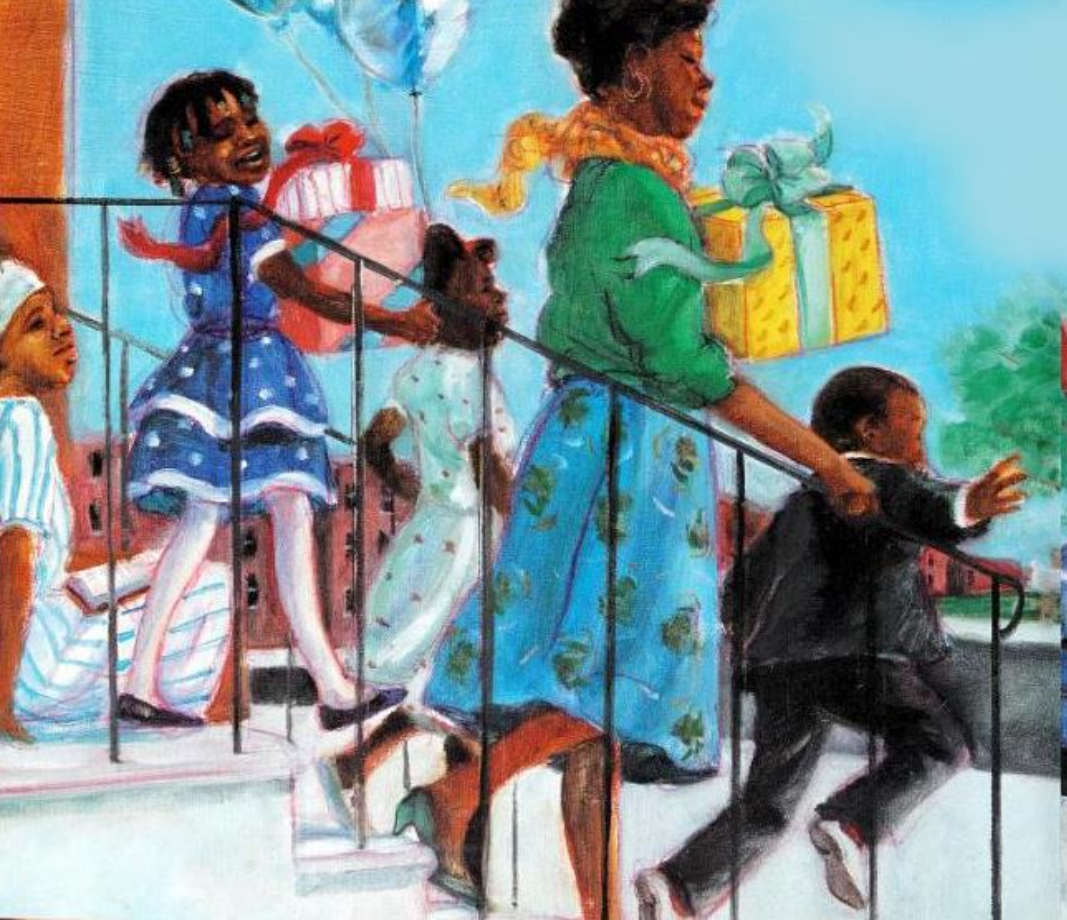

मेरा चचेरा भाई जेम्स घर आया, और फिर हम पार्टी में कार से गए. अगर मैं मसाई होती, तो तीन मील चलना मेरे लिए कुछ भी नहीं होता. मैं घास के मैदानों में खुलकर और मुक्त होकर दौड़ती हुई जाती.

बाद में, बर्थडे पार्टी खत्म होने के बाद दादी ने मुझे घूरकर देखा. "अरे मेरी, लिंडा," दादी ने कहा, "तुम कितनी पतली और सुंदर हो. तुम एक खूबसूरत युवा लड़की हो!"

फिर मैंने दादी को प्यार और सम्मान से चूमा, ठीक वैसे ही जैसे कोई मसाई करता.

अगर मैं मसाई होती, तो मेरा नाम एशे, हवा या नीमा, या लिंडे भी हो सकता था.

मैं अपने बेडरूम के आइने में अपने प्रतिबिंब को घूरती हूं ... ऊंची गालों की हड्डियों पर चिकनी भूरी त्वचा और काली आंखें जो मेरे मुस्कुराने पर थोड़ी तिरछी हो जाती हैं. मुझे जो दिखता है वो मुझे पसंद है. मुझे रिश्ते की भावना का फिर से एहसास होता है. अगर मैं मसाई होती तो मैं वैसी ही दिखती.

मसाई और मैं

स्कूल में एक दिन लिंडा पूर्वी अफ्रीका में रहने वाले मसाई लोगों के बारे में सीखती है. वो उनके साथ एक रिश्ते की भावना महसूस करती है और सोचने लगती है कि अगर वो मसाई होती तो उसकी दुनिया कैसी होती. क्या वो एक बड़े शहर के अपार्टमेंट में रहती जैसा वो अब करती है - या एक छोटे से अफ्रीकी गांव की एक झोपड़ी में? क्या उसके पास एक पालतू हम्सटर होता और वो चिड़ियाघर की सैर करने जाती, या फिर वो जिराफ, शुतुरमुर्ग और जेब्रा के साथ अफ्रीकी मैदानों पर रहती? अगर वह मसाई होती तो क्या उसका परिवार अलग होता? तब उसका जीवन कैसा होता?